Set 4
Code No.29/2/4

INDIAN SCHOOL DARSAIT
Sample question paper 2019
HINDI-COURSE B (085)

Class: IX
Date: 28-08-2019

Max. Marks: 80
Time: 3 hours

निर्देश (General Instructions) :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड हैं – क ,ख, ग** और **घ ।**

(2) चारों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए ।

खंड - क

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।**

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझा जाता था । सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में भ्रांतियाँ फैलती चली गईं । यह ग्रह अत्यंत मंद गति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है । शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है । यह अत्यंत ठंडा ग्रह है । इसके वायुमंडल का तापमान शून्य 150^0 सेंटीग्रेड नीचे रहता है । अत: यहाँ जीवन संभव नहीं है । वैज्ञानिक खोजों के आधार पर शनि के उपग्रहों की संख्या सत्रह हो गई है । इस ग्रह का सबसे बड़ा उपग्रह चंद्र टाइटन है । यह उपग्रह चंद्रमा से काफ़ी बड़ा है । टाइटन की अद्भुत चीज़ इसका वायुमंडल है । इसके वायुमंडल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है । इस पर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है । शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चोरों ओर वलय या घेरे दिखाई देते हैं । इन वलयों या कंकणों से इसकी सुंदरता काफ़ी बढ़ जाती है । इन वलयों की खोज गैलीलियो ने की थी । नई खोजों के आधार पर सौरमंडल के कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है । शनि जितने सुंदर और

स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं हैं ।

(क) शनि की सुंदरता का कारण क्या है ? 2

(ख) शनि पर जीवन क्यों संभव नहीं है ? 2

(ग) धरती का उपग्रह कौन-सा है ? 2

(घ) मीथेन गैस को किसके समान माना गया है ? 2

(ङ) शनि के वलयों की खोज करने वाले वैज्ञानिक कौन थे ? 1

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तरों को लिखिए** –

मन समर्पित, तन समर्पित और यह जीवन समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ ।
देश तुझको देखकर यह बोध पाया
और मेरे बोध की कोई वजह है
स्वर्ग केवल देवताओं का नहीं है
दानवों की भी यहाँ अपनी जगह है
स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित, आयु का क्षण-क्षण समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ ।

रंग इतने, रूप इतने यह विविधता
यह असंभव एक या दो तूलियों से
लग रहा है देश ने तुझको पुकारा
मन बरौनी और बीसों उँगलियों से
मान अर्पित, गान अर्पित रक्त का कण-कण समर्पित
चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ ।

(क) देश को देखकर कवि को क्या बोध हुआ ? 2

(ख) देश में किस-किस तरह की विविधताएँ हैं ? 2

(ग) कवि अपना सर्वस्व किसे समर्पित करना चाहते हैं और क्यों ? 2

<u>खंड - ख</u>

3. **(क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-** 2

(i) राजर्षि **(ii)** श्रीखंड

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए, जिनमें अनुस्वार का प्रयोग होता है – 1

गूगा, सौगध

(ग)निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर शब्द को दुबारा लिखिए । 1

गूथना

(घ) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए । 1

गिरफ्तार

4. **(क) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रत्ययों को अलग- अलग कीजिए ।** 2

(i)बड़प्पन **(ii)** दीनदार

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग - अलग कीजिए- 1

अनुरोध

5. **(क)निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए ।** 2

(i)प्रति + ईक्षा **(ii)** अप + वाद

(ख)निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए । 2

(i) वैज्ञानिक **(ii)** संसार

(ग)निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्न लगाइए – 3

(i) हे भगवान रानी सीता और गीता को सद्बुद्धी देना

<u>खण्ड 'ग'</u>

6. **पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।** 2+2+1

(क) बुढ़िया को पत्थर दिल क्यों कहा गया है ? वह रो क्यों रही थी ?

(ख) अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता है ?

(ग) मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने क्या कहा?

7. पाठ के अनुसार मौलाना अब्दुल बारी और शंकराचार्य जैसे लोग शक्तिशाली क्यों बन गए ? 5

अथवा

नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो ऐसा भास होता है ।' कीचड़ का काव्य पाठ के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए ।

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए** – 2+2+1

(क)रैदास ने दीपक और बाती द्वारा कौन-सा भाव प्रकट किया है ?

(ख)'माँग मत' ,'कर शपथ' ,'लथपथ' इन शब्दों का बारबार प्रयोग कर - कवि क्या कहना चाहता है?

(ग) मूल को सींचने का क्या लाभ होता है ?

9. नज़ीर अकबराबादी द्वारा रचित 'आदमी नामा' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए । 5

अथवा

हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'अग्नि पथ' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए ।

10. 'घायलों की सहायता के लिए धैर्य की आवश्यकता होती है"- गिल्लू के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि किसी घायल के प्रति आपके व्यवहार में क्या विशेषता होगी? 5

अथवा

"काश मैं आपके मुल्क में आकर यह सब अपनी आँखों से देख सकता ।" हामिद ने ऐसा क्यों कहा? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

<u>खण्ड 'घ'</u>

11. **दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।** 5

(क) शिष्टाचार

- शिष्टाचार क्या है
- महत्व एवं लाभ
- बाधक तत्व एवं निराकरण

(ख) जीवन में श्रम की महत्ता

- श्रम के विभिन्न रूप
- प्रगति का मूल मंत्र

- श्रम के आदर्श

(ग) दूरदर्शन

- दूरदर्शन की भूमिका
- शैक्षणिक लाभ
- विकास में योगदान

12 आपके बड़े भाई साहब आपके लिए अमेरिका से एक घड़ी ख़रीद कर लाए हैं । उन्हें धन्यवाद देते हुए एक पत्र लिखिए । 5

13 चित्र को देखकर मन में उभरते विचार या कहानी अथवा लेख के रूप में लिखिए । आपकी कहानी या लेख का सीधा सम्बन्ध चित्र से होना आवश्यक है ? 5

14. बढ़ती हुई महँगाई के विषय में पूनम और कुसुम के बीच हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए । 5

15. आपके शहर में किताबों की सेल लगी है । इसके लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 5

उत्तर कुंजी (ANSWER KEY)

1.(क) इसके चारों ओर चमकते घेरे

(ख) बहुत ठंडा ग्रह है

(ग) चंद्रमा

(घ) पानी

(ङ) गैलीलियो

2.(क) कवि को अपने देश से असीम प्रेम है । देश को देखकर कवि को यह बोध होता है कि देश से उसे कितना कुछ मिला है । इसीलिए कवि देश के प्रति अपना सर्वस्व अर्पण करना चाहता है ।

(ख) भारत विविधताओं में एकता वाला देश है । यहाँ अलग-अलग रूप-रंग और आकार-प्रकार के लोग रहते हैं लेकिन इन सबके बावजूद देश एक है ।

(ग) कवि भारत माँ को अपना सर्वस्व समर्पित करना चाहते हैं । इसी देश की मिट्टी में खेल-कूदकर बड़े होने, इसी माटी का अन्न खाकर पलने के कारण कवि देश की पुकार पर अपने रक्त कण-कण भारतमाता को समर्पित करना चाहते हैं ।

3.(क) (i) र +आ +ज् +अ +ऋ +ष् +इ (ii)श्+ र्+ ई +ख् +अ +ण्+ इ् +अ

(ख) सौगंध

(ग) गूँथना

(घ) गिरफ़्तार

4. (क) (i) बड़ा + पन (ii) दीन + दार

(ख) अनु + रोध

5. (क) (i)प्रतीक्षा (ii) अपवाद

(ख) (i)विज्ञान + इक (ii) सम् + सार

(ग) (i) हे भगवान ! रानी, सीता और गीता को सद्बुद्धी देना ।

6(क) बुढ़िया की स्थिति से अनजान लोगों ने उसे 'पत्थर-दिल' कहा । लोगों ने बस इतना ही जाना कि एक दिन पहले बुढ़िया का जवान पुत्र मरा है और अगले दिन वह बाज़ार में खरबूजे बेचने आ गई है । उन्होंने उसे कठोर माँ समझा । परंतु यह उनका अज्ञान था। वे उसकी मजबूरी को नहीं समझ सके । बुढ़िया रो इसलिए रही थी क्योंकि उसका जवान बेटा मर गया था । साथ ही उसके पास अपने परिवार का पेट भरने का कोई साधन नहीं था ।

(ख) अखाड़े की मिट्टी विशेष होती है । वह तेल और मट्ठे से सिझाई हुई होती है । जब वह पसीने से लथपथ शरीर पर फसलती है तो ऐसा लगता है मानो आदमी कुआँ खोदकर निकलो हो ।

(ग) मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने कहा कि ऐसे साहसिक अभीयानों में होने वाली मृत्यु को सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए ।

7 इन लोगों को अपने समुदाय का प्रतिनिधित्व मिला था । इन लोगों ने धार्मिक आधार पर लोगों की भावनाओं से खेलकर ईश्वर का आसन ग्रहण कर लिया । संप्रदायों की शक्ति बढ़ाने और अपना प्रभुत्व जमाने की इच्छा के कारण इन्होंने जन-साधारण लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काया । ये लोग धार्मिक भावनाओं के कारण शक्तिशाली बन गए ।

अथवा

लेखक कहता है - नदी-किनारे फैली कीचड़ जब सूखकर ठोस हो जाती है, तो उस पर भैंसों के पाड़े आपस में खूब क्रीड़ा-युद्घ करते हैं । वे सींग से सींग भिड़ाकर लड़ते हैं तथा अपने पैरों और सींगों से कीचड़ को खोद डालते हैं । उस खुदी हुई कीचड़ को देखकर ऐसे लगता है मानो यहाँ भैसों के कुल का कोई महाभारत लड़ा गया हो ।

8. **(क)**रैदास ने प्रभु को दीपक के समान माना है तथा स्वयं को उसमें जलने वाली बाती के समान माना है । वह कहना चाहता है कि प्रभु ही उसके जीवन का आधार हैं । उसके जीवन में जो भी प्रकाश है , धड़कन है, वह स्वयं प्रभु रूपी दीपक की ही देन है ।

(ख)'माँग मत' ,'कर शपथ' ,'लथपथ' शब्दों का बारबार प्रयोग करके कवि मनुष्य को कष्ट सहने के लिए - पसीने और खून से ,तैयार करना चाहता है । वह चाहता है कि मनुष्य आँसू'लथपथ' होने पर भी राहत और सुविधा न माँगे।वह कष्टों को रौंदता हुआ आगे बढ़ता जाए ओर संघर्ष करने शपथ ले।

(ग)मनुष्य फल-फूल पाकर तृप्त हो जाता है ।

9. 'आदमी नामा' कविता में मानव के विविध रूपों पर प्रकाश डाला गया है । कवि के अनुसार आदमी में अनेक संभीवनाएँ छिपी हुई हैं । उसकी परिस्थितियाँ और भाग्य भी भिन्न हैं जिसके कारण उसे भिन्न-भिन्न रूपों में जीनव जीना पड़ता है । बादशाह, वज़ीर और अमीर भी आदमी हैं, और गरीब, भिखारी, फकीर भी आदमी हैं । आदमी ही इमाम, नमाज़ी और धार्मिक मनुष्य हैं और आदमी ही उनकी जूतियाँ चुराने जैसा नीच कार्य करता है । संहारकर्ता भी आदमी है, रक्षक और करुणावान भी आदमी है ।

अथवा

हरिवंशराय बच्चन द्वारा रचित 'अग्नि पथ' कविता मनुष्य को संघर्ष करने की प्रेरणा देती है । कवि जीवन को अग्नि-भरा मार्ग मानता है । संसार में कठिनाइयाँ ही कठिनाइयाँ हैं । मनुष्य को चाहिए कि वह न तो इनसे घबराए, न अपना मुँह मोड़े, बल्कि निरंतर संघर्ष करता रहे । चाहे रास्ते में उस रास्ते में आने वाली सुविधाओं और राहतों की माँग नहीं करनी चाहिए । ऐसे संघर्षशील मनुष्य का जीवन ही सफल है ।

10. • गिल्लू के घायल होने पर लेखिका द्वारा सेवा
    • धैर्य से सेवा करने पर सुखद परिणाम

व्याख्यात्मक हल : लेखिका को गिल्लू निश्चेष्ट अवस्था में गमले की संधि में मिला था। उसके शरीर पर कौओं की चोंच के जख्म थे। लेखिका ने उसे उठाया और धैर्यपूर्वक उसके घावों को साफ किया और मरहम लगाया। उन्होंने रूई की बत्ती बनाकर उसे दूध भी पिलाने की कोशिश की, उन्होंने बड़े धैर्य के साथ रात-दिन उसकी सेवा की। उनकी इसी धैर्य पूर्ण सेवा के कारण गिल्लू एकदम स्वस्थ हो गया।

अथवा

जब लेखक ने यह बताया कि हमारे देश में हिंदुमुसलमान में कोई फ़र्क नहीं है तथा वहाँ सभी - जुलकर रहते हैं और बेखटके मुसलमानी होटल में जाया करते हैं । भारत में मुस-मिललमानों की

पहली मस्जिद का निर्माण भी लेखक के ही राज्य में हुआ था तथा वहाँ कभी भी हिंदुमुसलमानों - मैं आपके मुल्क में ,के बीच दंगे नहीं होते । यह सब सुनकर हामिद यह कहता है कि काश आकर यह सब देख सकता । उसके देश में यह सब कुछ नहीं है ।